

SEMINAR

“IS 15000 (HACCP) & IS 2491: A COMPREHENSIVE APPROACH TO FOOD SAFETY & HYGIENE”

24 February 2025

The Bureau of Indian Standards, New Delhi in association with ICAR-CIFE, Mumbai organized a seminar on “IS 15000 (HACCP) & IS 2491: A Comprehensive Approach to Food Safety & Hygiene” at ICAR-CIFE, Mumbai on 24 February 2025. The seminar emphasized on discussing the recently revised IS 15000 & IS 2491 standards and the latest technological advancements in food safety. Dr. Ravishankar C. N., Director & Vice-Chancellor, ICAR-CIFE and Chairperson, FAD 15 sectional committee of BIS welcomed the gathering. He emphasized the importance of framing and implementation of food safety standards. The inaugural address was delivered by Ms. Lavika Singh, Scientist-C/Deputy Director BIS who gave a brief overview of the BIS initiatives. Dr. B. B. Nayak, Head, FRHPHM Division and panel member of FAD 12 sectional committee of BIS talked on standards specific to fish and fishery products. This was followed by sessions on “IS 15000 (HACCP): Principles, Implementation & Best Practices” by Ms. Chinmayee Deulgaonkar, Managing Director, FoodChain ID, and “Understanding General Principle for Food Hygiene: IS 2491” by Dr. Prabodh Halde, Head, Regulatory Marico Ltd. The seminar concluded with a panel discussion on “Strengthening Food Safety Frameworks Through Standardization” in which eminent panellists including Dr. R. Visvanathan, Retired Professor, Tamil Nadu Agricultural University representing the academia, Dr. Nitin Wagh, from seafood industry and Mr. Harbans Wadhwa, from Consumer Voice, New Delhi, representing the consumer organization participated in fruitful deliberations on standardization of food safety regulations for the benefit of consumers. The seminar was attended by 100 participants which included the MFSc and PhD students and faculty of ICAR-CIFE, Mumbai. The programme was co-ordinated by Dr. Manjusha L., Senior Scientist, FRHPHM Division.

सेमिनार

“आईएस 15000 (एचएसीसीपी) और आईएस 2491: खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण”

भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली ने आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के सहयोग से 24 फरवरी 2025 को आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई में “आईएस 15000 (एचएसीसीपी) और आईएस 2491: खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण” पर एक सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार में हाल ही में संशोधित आईएस 15000 और आईएस 2491 मानकों और खाद्य सुरक्षा में नवीनतम तकनीकी प्रगति पर चर्चा करने पर जोर दिया गया। डॉ. रविशंकर सीएन, निदेशक और कुलपति, आईसीएआर-सीआईएफई और बीआईएस के एफएडी 15 अनुभागीय समिति के अध्यक्ष ने सभा का स्वागत किया। उन्होंने खाद्य सुरक्षा मानकों को तैयार करने और लागू करने के महत्व पर बल दिया। उद्घाटन भाषण सुश्री लविका सिंह, वैज्ञानिक-सी/उप निदेशक बीआईएस ने दिया जिन्होंने बीआईएस पहलों का संक्षिप्त विवरण दिया। इसके बाद सुश्री चिन्मयी देउलगांवकर, प्रबंध निदेशक, फूडचेन आईडी द्वारा “आईएस 15000 (एचएसीसीपी): सिद्धांत, कार्यान्वयन और सर्वोत्तम अभ्यास” पर सत्र आयोजित किया गया।, और डॉ. प्रबोध हाल्दे, प्रमुख, नियामक मैरिको लिमिटेड द्वारा “खाद्य स्वच्छता के लिए सामान्य सिद्धांत को समझना: आईएस 2491” पर भाषण दिया गया। सेमिनार का समापन “मानकीकरण के माध्यम से खाद्य सुरक्षा ढांचे को मजबूत करना” पर एक पैनल चर्चा के साथ हुआ, जिसमें शिक्षाविदों का प्रतिनिधित्व करने वाले तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. आर. विश्वनाथन, समुद्री खाद्य उद्योग से डॉ. नितिन वाघ और उपभोक्ता संगठन का प्रतिनिधित्व करने वाले कंज्यूमर वॉयस, नई दिल्ली के श्री हरबंस वाधवा सहित प्रतिष्ठित पैनलिस्ट शामिल थे। उपभोक्ताओं के लाभ के लिए खाद्य सुरक्षा विनियमों के मानकीकरण पर उपयोगी विचार-विमर्श में भाग लिया। संगोष्ठी में 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के एमएफएससी और पीएचडी छात्र और संकाय शामिल थे। कार्यक्रम का समन्वय एफआरएचपीएचएम प्रभाग की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मंजूषा एल. ने किया।

